राजस्थान क्लासेज
Download More PDF's
WWW.RAJASTHANCLASSES.IN
आदर्श कुमावत

हाई कोर्ट चतुर्थ श्रेणी

Class - 4

कर्मचारी भर्ती परीक्षा 2026

राजस्थानी मुहावरे कहावतें

RAJASTHAN CLASSES
राजस्थान क्लास

- Click Here

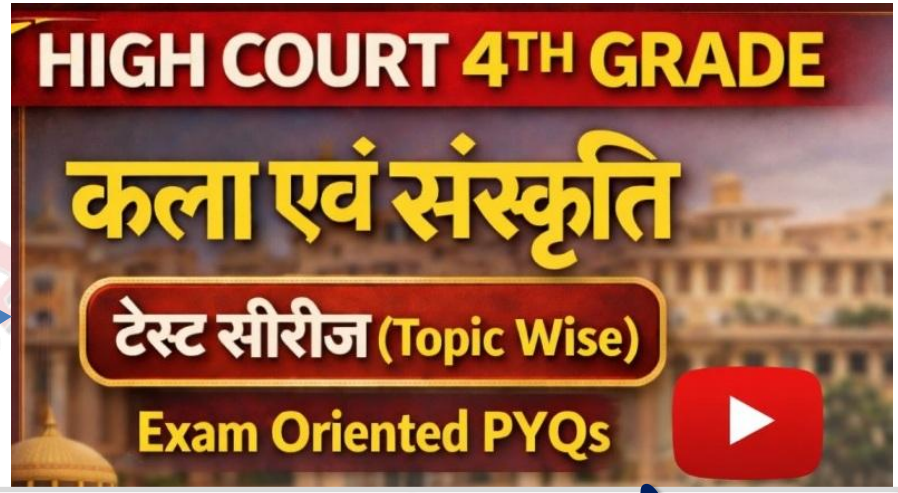

App - rajasthan360

- हिंदी बुक pdf - मात्र 19/- मे

राजस्थान क्लासेज

राजस्थान क्लासेज
Download More PDF's
WWW.RAJASTHANCLASSES.IN
आदर्श कुमावत

हाईकोर्ट चतुर्थ श्रेणी

Exam 2026

निशुल्क नोट्स

Whatsapp Group

8107670333

नाम व जिले का नाम लिखकर मेसेज करे

- लाठी जकै री भैंस - शक्तिशाली व्यक्ति की ही जीत होती है
- लीद खावणी तो हाथी री, गधी की क्यूं खावणी - आश्रय ले तो बड़े व्यक्ति का जिससे सभी इच्छाओं की पूर्ति हो जाये।
- सगळे ई चोखै कामां में बिघन आया करै - अच्छे कार्यों में हर जगह विघ्न आता है
- सब धान बाईस पंसेरी - जो भले-बुरे में भेद न करे।
- समदर में रैंय मगरमच्छ सूं बैर कोनी खटावै - समुद्र में रह कर मगरमच्छ से वैर नहीं किया जा सकता।
- एडो भगवान भोळो कोनी जको भूखो भैंसा में जाय -कोई भी व्यक्ति वेतन बिना काम नहीं करता।

- ठाडै कै धन को बोजो बोजो रूखाळो है -शक्तिशाली का धन कोई नहीं रख सकता।
- डांगर के हेज घणू, नापैरी के तेज घणूं - दूध न देने वाली गाय बछड़े से अधिक प्रेम करती है, पीर न होने पर स्त्री अधिक झल्लाती है।
- दीखतै नैणा, चारतै गोड़ा - देखने न चलने की शक्ति रहते हुए ही मृत्यु हो जाये तो इच्छा।
- *नर नानरै, घोड़ो दादरै - स्वभाव तथा बनावट में पुरुष ननिहाल पर जाता है, जबकि घोड़ा पितृकुल पर।
- आगो थारो, पीछो म्हारो -आपके आगे हमारी पीठ, चाहे जो कीजिये।

- पैल्या लिखै पछै देय, भूल पड्यां कागद सूं लेय - बनिया पहले लिखता है, फिर उधार देता है, भूल होने पर कागज में हिसाब कर लेता है।
- बिल्ली रै भाग रो छींको टूटग्यो - अयोग्य व्यक्ति को भी अचानक लाभ होना।
- मांग्योड़ी तो मोत ही को मिलै नीं - मांगने पर कोई कुछ नहीं मिलता !
- मार रै आगै भूत भागै - मार से सभी डरते हैं।
- मियां मरग्या कै रोजा घटग्या - अभी भी देर नहीं हुई है।
- मुंजेवड़ी बळ ज्याय पण बट को निकलै नीं - नुकसान होने पर भी अकड़ नहीं जाना।
- म्हारी मिन्नी अर म्हांनै ई म्याऊं? = कोई खास हमसे ही जुबान लडावे
- अनहोनी होणी नहीं, होणी होय सो होय -जो होना है, वह हो कर रहेगा

- पढ्या पण गुण्या कोनी पढ़े, - व्यवहारिक बातो पर मंथन नहीं किया।
- सावळ करतां कावळ पड़े - भलाई करते हुए भी बुराई हाथ लगती हैं।
- आप गुरूजी कातरा मारैं, चेलां नैं परमोद सिखावैं - खुद विपरीत आचरण करते हुए भी दूसरों को उपदेश देते हैं!
- आदैं पाणी न्याव होय - बेईमानी का परिणाम मिल ही जाता हैं।
- आज मरयो, दिन दूसरो - जो गया सो गया।
- राख पत, रखाय पत - आप दूसरों का आदर करोगे, तो वो भी आपका आदर करेंगे।
- आडू चाल्या हाट, न ताखड़ी न बाट - मूर्ख का काम अव्यवस्थित होता हैं।
- आड़ा आया, मा का जाया - संकट में अपने ही काम आते हैं।

- रिपियो परखैं बार-बार, मिनख परखैं एक बार - रुपये को बार-बार परखा जा सकता हैं लेकिन मनुष्य को केवल एक ही बार परखा जाता हैं।
- रुक्या काम तो रावण रा ई रैयग्या गये - एक बार काम अधूरा रह जाये तो सही समय आने पर कार्य होता हैं।
- रुत बिना कोई फळ नीं लाग्या करैं -
- रोवता जावैं जका मुओडा री खबर ल्यावैं - किसी काम के लिए निराश होते हुए जाते हैं , काम के खराब होने की खबर लेकर लौटता हैं ।
- पैंल्या पेट पूजा पछैं काम दूजा - पहले पेट भराई की व्यवस्था, फिर अन्य काम।

- आंधा में काणो राव -श्रेष्ठ ही सर्वोत्तम ।
- अक्कल बिना ऊँट उबाणा फिरै - बुद्धि का अभाव होने के कारण संसाधन का प्रयोग नहीं कर पाते।
- ईण तिलां में तेल कोनी - औचित्य की बात नहीं होना
- आँख्याँ देखी परसराम, कदें न झूठी होय -प्रत्यक्ष देखी हुई बात कभी असत्य नहीं होती।
- आँख मींच्यां अंधेरो होय - दुनिया के दुःखों की ओर से अलग हो जाना।
- एडो भगवान भोळो कोनी जको भूखो भैंसा में जाय -कोई भी व्यक्ति वेतन बिना काम नहीं करता।

- अम्बर को तारो हाथ से कोनी टूटै - सपने देखने से सपने नहीं बदलते, उसके लिए परिश्रम करना पड़ता है।
- अरडावतां ऊंट लदै - किसी की परोपकारी पुकार पर भी ध्यान न देना।
- आ छाय तो ढोलबा जोगी ही थी-निरूपयोगी वस्तु के खराब पर खेद न होना।
- सांकड़ी गळी अर मारणा बळद - ऐसी विपत्ति जिससे बचने का मार्ग न हो।
- सांप रै मूंडै में मोती नीं बणै - दुष्ट व्यक्ति अच्छा कार्य नहीं करते।
- साझै री हांडी चौराया माथै फूटै - साझे व्यापार में एक दिन सबके सामने लड़ाई होती है।

- पीळी पड़वा गाजे, दिन बहत्तर बाजें - आषाढ़ की प्रतिपदा पर बादल गरजने से हवा तो चलेगी पर बरसात नहीं होगी।
- बावें सों लूण - जैसा कर्म वैसा फल।
- हतकार की रोटी चौवटै डकार - मुफ्त में उपभोग तथा अहंकार का प्रदर्शन करना।
- होत की भाण, अणहोत को भाई - बहिन धनी को भाई बनाती है जबकि भाई विपत्ति में भी साथ देता है।
- अभागियों टाबर त्यौहार ने रूठे-मनभागी सुअवसर से लाभ नहीं उठा पाता है।
- अनहोनी होणी नहीं, होणी होय सो होय -जो होना है, वह हो कर रहेगा।

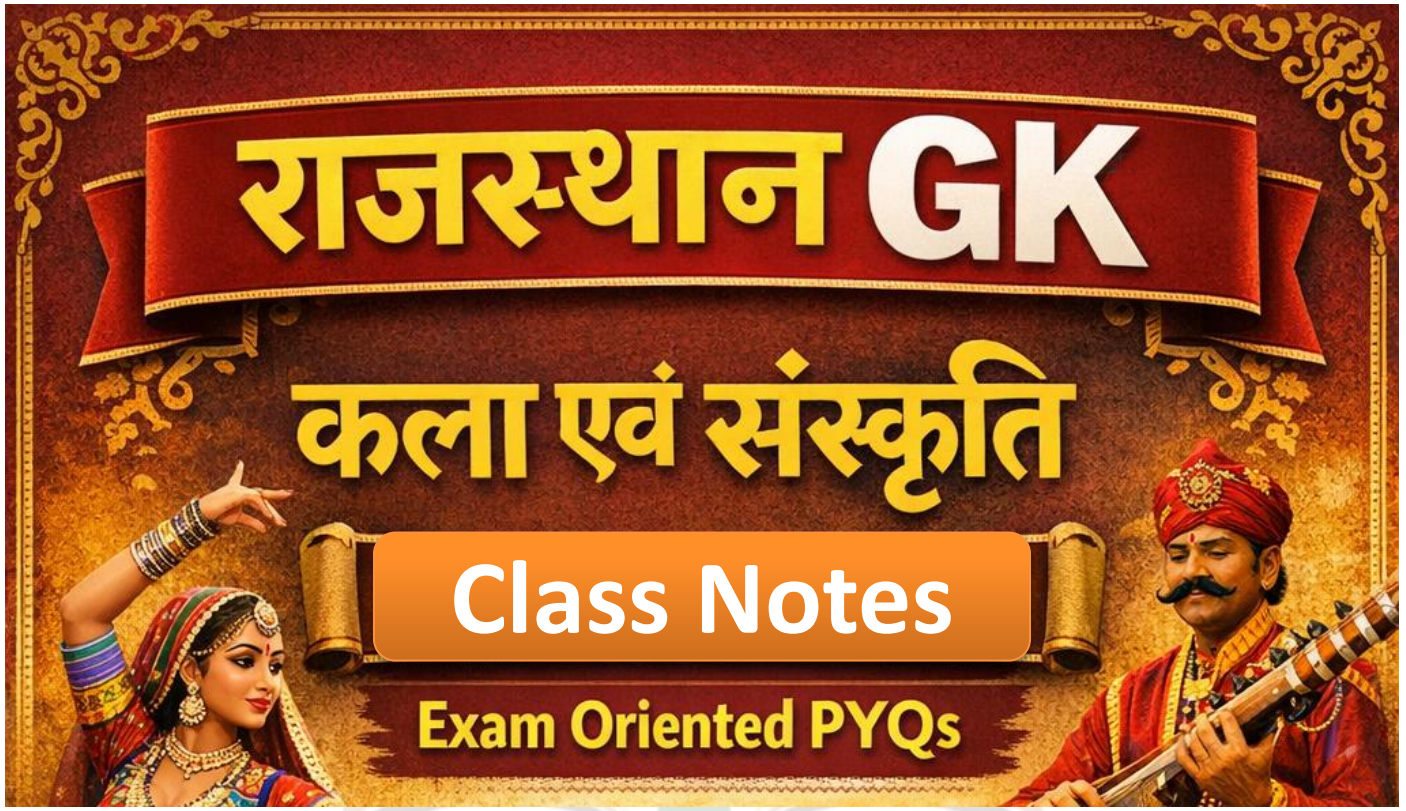

राजस्थान क्लासेज

- Click Here

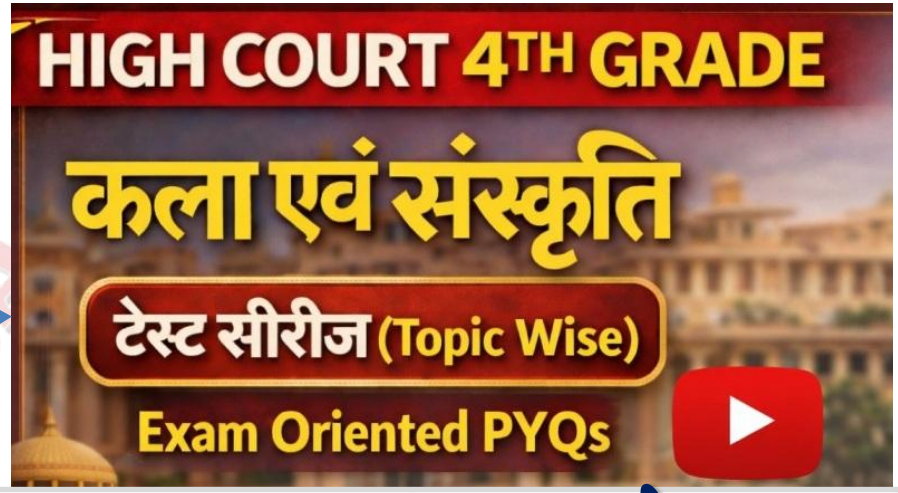

App - rajasthan360

- हिंदी बुक pdf - मात्र 19/- मे

राजस्थान क्लासेज